Roll No.....

Signature of Invigilator .....

Paper Code

BD-405

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination May-June-2023

बी.ए. दर्शन, चतुर्थ सत्र

संस्कृत साहित्य

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोट: यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट: खण्ड 'क' में विकल्पसहित (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3 x15 =45)**

1. दीक्षान्त समारोह के समय आचार्य शिष्य को जो उपदेश देता है तैत्तिरीयोपनिषद् के अनुसार लिखें।

2. ब्रह्म ने समस्त लोक-लोकान्तर की रचना किया ऐतरेयोपनिषद् के अनुसार वर्णन करें।

3. सत्व-रजस्-तमस् गुणों में वृद्धि होने पर क्या-क्या परिणाम होता है 'गुणत्रयविभागयोग' के अनुसार वर्णन करें।

4. संसाररूप वृक्ष की मूल, शाखा-प्रशाखा कौन-कौन सी है और उसे काटने का उपाय 'पुरुषोत्तमयोग' के अनुसार वर्णन करें।

5. 'भृगुवल्ली' में अन्न की महिमा क्या है?

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5 x5 =25)**

6. किन लक्षणों से यह जाना जाये कि कोई योगी तीनों गुणों से पार चला गया है?

7. ईश्वर पुरुषोत्तम नाम से क्यों प्रसिद्ध है?

8. तैत्तिरीयोपनिषद् में ''भूर्भुवः स्व'' का जो वर्णन किया है, उसे लिखें।

9. जीवात्मा के निवास के लिए कौन सा शरीर श्रेष्ठ है? ऐतरेयोपनिषद् के द्वितीय खण्ड के अनुसार वर्णन करें।

10. इस संसार में दो पुरुष कौन-कौन हैं? पुरुषोत्तमयोग के अनुसार वर्णन करें।

11. 'न तद्भासयते सूर्यो न .....'' इस श्लोक को पूर्ण करके अर्थ लिखें।

12. ''ब्रह्म जगत् का कारण है''- गुणत्रयविभागयोग के अनुसार सिद्ध करें।

----------X----------